KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 3

नियोजित विकास की राजनीति

भाग - 5

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अब आगे क्या :-

- शुरू में सरकार ने खेती में मामले में पिछड़े किसानों को ज्यादा सहायता देने की नीति अपनायी। इस नीति को छोड़ दिया गया।
- अब उन इलाकों पर ज्यादा संसाधन लगाने फैसला किया जहां सिंचाई सुविधा मौजूद थी।

दलील :-

- जो पहले सक्षम है वे कम समय में उत्पादन को तेज रफ्तार बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।
- उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, कीटनाशक और बेहतर सिंचाई सुविधा बड़े अनुदानित मूल्य पर मुहैया करवाये गए।

एक गारंटी :-

- एक निर्धारित मूल्य पर सरकार उपज को खरीदेगी।

KOLORS
make life better

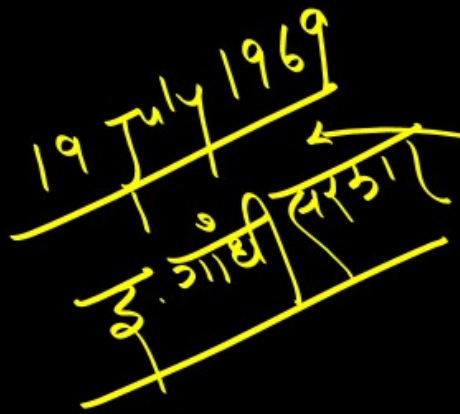
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम :-

- धनी किसानों और बड़े भू-स्वामियों को फायदा।
- देश में खाद्यान्न की उपलब्धता में बढ़ोत्तरी।
- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे इलाके समृद्ध हुए जबकि बाकी इलाके खेती के मामले में पिछड़े रहे।
- गरीब किसानों और भू-स्वामियों के बीच का अंतर मुखर हो उठा।
- मध्यम श्रेणी के भू-स्वामित्व वाले किसानों का उभार हुआ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बाद के बदलाव :-

- 1967 में निजी क्षेत्र के उद्योगों पर और बाधाएं लागू की गयी।
- 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
- गरीबों की भलाई के लिए अनेक कार्यक्रमों की घोषणा की।
- इन परिवर्तनों के साथ सरकार का रुझान समाजवादी नीतियों की तरफ बढ़ा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

और आगे :-

- सरकारी नियंत्रण वाली अर्थव्यवस्था के पक्ष में बनी सहमति ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रही।
- 1950 से 1980 के बीच भारत की अर्थव्यवस्था सालाना 3-3.5 प्रतिशत की धीमी रफ्तार से आगे बढ़ी।
- सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उद्यमों में भ्रष्टाचार और अकुशलता का जोर बढ़ा।
- 1980 के दशक के बाद अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका को कम कर दिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहुचयनात्मक प्रश्न –

1. 'बॉम्बे प्लान' के बारे में निम्नलिखित में कौनसा बयान सही नहीं है।

(क) यह भारत के आर्थिक भविष्य को एक ब्लू प्रिंट था।

(ख) इसमें उद्योगों के ऊपर राज्य के स्वामित्व किया गया था।

(ग) इसकी रचना कुछ अग्रणी उद्योगपतियों ने की थी।

(घ) इसमें नियोजन के विचार का पुरजोर समर्थन किया गया था।

उत्तर – (क) यह भारत के आर्थिक भविष्य को एक ब्लू प्रिंट था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. भारत ने शुरूआती दौर में विकास की जो नीति अपनायी उमें निम्नलिखित कौनसा विचार शामिल नहीं था ?

(क) नियोजन

(ख) उदारीकरण — 1992

(ग) सहकारी खेती

(घ) आत्मनिर्भरता

उत्तर – (ख) उदारीकरण

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. भारत में नियोजन अर्थव्यवस्था चलाने का विचार ग्रहण किया था

(अ) बॉम्बे प्लान से

(ब) सोवियत खेमे के देशों के अनुभवों से

(स) समाज के बारे में गांधीवादी विचार से

(द) किसान संगठनों की मांगों से

विकल्प :

(क) सिर्फ ब और द

(ख) सिर्फ अ और ब

(ग) सिर्फ स और द

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर – (घ) उपर्युक्त सभी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. निम्नलिखित का मेल करें :

(क)	चरण सिंह	(iii) किसान
(ख)	पी.सी. महानोबिस	(i) औद्योगीकरण
(ग)	बिहार का अकाल	(ii) जोनिंग
(घ)	वर्गीज कूरियन	(iv) सहकारी डेयरी

श्वेत

AMUL

उत्तर :

(क) → (iii), (ख) → (i), (ग) → (ii), (घ) → (iv)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. आजादी के समय विकास के सवाल पर प्रमुख म
थे? क्या इन मतभेदों को सुलझा लिया गया?

उत्तर : आजादी के समय विकास के सवाल पर प्रमुख मतभेद –

- विकास का क्या अर्थ लिया जाये।
- विकास का कौनसा मॉडल अपनाया जाये।
- विकास के लिए किसे प्राथमिकता दी जाये।
- सभी सामाजिक समूह के हितों का पोषण कैसे किया जाये।

समाधान :

- भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया गया।
- गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता पर रखा गया।
- औद्योगीकरण के साथ साथ कृषि विकास पर भी ध्यान दिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. पहली पंचवर्षीय योजना का किस चीं
सबसे ज्यादा जोर था? दूसरी पंचवर्षीय
योजना पहली से किन अर्थों में अलग थी?

उत्तर :

- पहली पंचवर्षीय योजना में सबसे ज्यादा जोर कृषि क्षेत्र के विकास पर था।
- इसमें विकास की गति मंद रखने का समर्थन किया गया।
- दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के माध्यम से तीव्र विकास को अपनाया गया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. हरित क्रांति क्या थी? हरित क्रांति के दो सकारात्मक और दो नकारात्मक परिणामों का उल्लेख करें?

उत्तर :

- सरकार द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, कीटनाशक और बेहतर सिंचाई सुविधा बड़े अनुदानित मूल्य पर उपलब्ध करवाई।
- इससे खाद्यान्न उत्पादन में इजाफा हुआ इसे ही हरित क्रांति कहा जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सकारात्मक परिणाम :

- खाद्यान्न में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा।
- मध्यम श्रेणी के भू-स्वामित्व वाले किसानों का उभार हुआ।

नकारात्मक परिणाम :

- देश के अलग अलग इलाकों के बीच ध्रुवीकरण तेज हुआ।
- हरित क्रांति का प्रभाव सीमित फसलों पर ही केवल गेहूं की उपज ही विशेष रूप से बढ़ी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. दूसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान औद्योगिक विकास बनाम कृषि विकास का विवाद चला था। इस विवाद में क्या क्या तर्क दिए गए थे।

उत्तर : दूसरी पंचवर्षीय योजना औद्योगीकरण पर आधारित थी।

✍ जे.सी. कुमारप्पा जैसे गांधीवादी अर्थशास्त्रियों ने एक वैकल्पिक योजना का खाका प्रस्तुत किया था जिसमें ग्रामीण औद्योगीकरण पर ज्यादा जोर था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चौधरी चरण सिंह ने नियोजन में कृषि को केन्द्र में रखने की बात उठायी। इन्होंने कहा कि नियोजन से शहरी और औद्योगिक तबके समृद्ध हो रहे हैं और इनकी कीमत किसानों और ग्रामीण जनता को चुकानी पड़ रही है।
- अन्य कुछ लोगों के तर्क थे कि भारतीय अर्थव्यवस्था के नियोजन में खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ाने की रणनीति अवश्य ही अपनायी गयी थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका पर जो देकर भारतीय नीति निर्माताओं ने गलती की। अगर शुरुआत से ही निजी क्षेत्र को खुली छूट दी जाती तो भारत का विकास कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से होता। इस विचार के पक्ष या विपक्ष में अपने तर्क दीजिए।

उत्तर :

नहीं, ये कथन पूर्णरूप से सही नहीं हैं। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में राज्य का महत्वपूर्ण हस्तक्षेप होना आवश्यक है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आजादी के तुरंत बाद पूंजीवादी एवं समाजवादी मॉडल के स्थान पर मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाना ठीक था।
- उस वक्त परिस्थितियां ऐसी नहीं थी कि सरकार निजी क्षेत्र को खुली छूट दें दे।
- कृषि क्षेत्र का विकास, राज्य के नियन्त्रणाधीन ही ठीक ढेग से हो सकता था।
- उस समय कुछ क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए भी रखे गये थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और इसके आधार प
प्रश्नों के उत्तर दें :

आजादी के बाद के आरंभिक वर्षों में कांग्रेस पार्टी के भीतर दो परस्पर विरोधी प्रवृत्तियां पनपीं। एक तरफ राष्ट्रीय पार्टी कार्यकारिणी ने राज्य के स्वामित्व का समाजवादी सिद्धांत अपनाया, उत्पादकता को बढ़ाने के साथ साथा आर्थिक संसाधनों के संकेंद्रण को रोकने के लिए अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों का नियंत्रण और नियमन किया। दूसरी तरफ कांग्रेस को राष्ट्रीय सरकार ने निजी निवेश के लिए उदार आर्थिक नीतियां अपनायी और उसके बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाये। इसे उत्पादन में अधिकतम वृद्धि को अकेली कसौटी पर जायज ठहराया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(क) यहाँ लेखक किस अंतर्विरोध की चर्चा कर रहा हैं? ऐसे अंतर्विरोध के राजनीतिक परिणाम क्या होंगे?

(ख) अगर लेखक की बात सही है तो फिर बताएँ कि कांग्रेस इस नीति पर क्यों चल रही थी? क्या इसका संबंध विपक्षी दलों की प्रकृति से था?

(ग) क्या कांग्रेस पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व और इसके प्रान्तीय नेताओं के बीच भी कोई अंतर्विरोध था?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) लेखक कांग्रेस पार्टी के अन्तविर्रोध की चर्चा कर रहा है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी समाजवादी सिद्धांतों में विश्वास रखती थी, वहीं कांग्रेस की राष्ट्रीय सरकार निजी निवेश बढ़ावा दे रही थी। इस अंर्तविरोध के कारण आर्थिक मुद्दों से संबंधित निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दर प्राप्त करने के लिए शायद इस नीति पर चल रही थी और विपक्षी दलों की प्रकृति का भी इस पर प्रभाव था।

(ग) कांग्रेस पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व और इसके प्रांतीय नेताओं के बीच कोई अन्तर्विरोध नहीं था। प्रांतीय सरकारें अपने क्षेत्राधिकार में विकास हेतु प्रयास कर रही थी। वहीं केन्द्रीय नेतृत्व का कार्यक्षेत्र राष्ट्रीय स्तर का था।